MARCH
2025

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार

'Swachh Sujal Gaon' at Maha Kumbh draws 30 lakh devotees

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: More than 30 lakh devotees and tourists visited the 'Swachh Sujal Gaon,' set up by the Namami Gange and rural water supply department at the Prayagraj Maha Kumbh-2025.

An official said that 10,229 youths were awarded in a quiz competition on 'Nal Se Jal', while more than 3.60 lakh participants engaged digitally in 'Jal Jeevan Mission: The water run games'. The department also presented 'Jal Prasad' to 25 lakh guests.

"The 'Swachh Sujal Gaon' showcased UP's journey towards rural prosperity, highlighting the positive changes brought about since 2017. Visitors also immersed themselves in the spiritual essence of the state by participating in the 'Ganga Jal Aarti' held every evening in the village," the official said.

File photo

'Swachh Sujal Gaon' showcases UP's journey towards rural prosperity

The village showcased the journey of Bundelkhand from water scarcity to Har Ghar Jal. Visitors also witnessed changes in UP through initiatives like PM Awas Yojana, Mukhyamantri Awas Yojana, Gram Panchayat development and solar energy integration.

"The theme of the village was 'Peyjal ka Samadhan, Mere Gaon ki Nayi Pehchan'. Rural women from Bundelkhand shared powerful testimonies on a cultural platform, recounting how water scarcity once hindered marriages in Banda, Jhansi, and Chitrakoot, while in parts of Lalitpur and Mahoba, the burden of carrying water led to severe hair loss among women. Their stories highlighted the profound impact of access to clean water on daily life and well-being," the official said.

30 लाख ने देखी 'बदले यूपी की विकास गाथा'

प्रयागराज। नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के 'स्वच्छ सुजल गांव' में आए 30 लाख लोगों ने 'बदले यूपी की विकास गाथा' देखी। इस दौरान 'नल से जल' पर क्विज प्रतियोगिता में 10229 युवाओं को सम्मानित भी किया गया। 25 लाख अतिथियों को उपहार स्वरूप जल प्रसाद दिया गया। यूपी के समृद्ध गांवों की कहानी भी देखी। देश-दुनिया से आए श्रद्धालुओं ने 40 हजार स्क्वायर फिट में बसे गांव में पीएम आवास, सीएम आवास, ग्राम पंचायत, सोलर एनर्जी के जरिये समृद्ध यूपी की नई कहानी भी देखी। ब्यूरो

25 लाख अतिथियों को जल प्रसाद का उपहार

जासं, प्रयागराज : महाकुंभ में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के 'स्वच्छ सुजल गांव' में आए 30 लाख लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'बदले यूपी की विकास गाथा' भी देखी। इस दौरान 'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता में 10,229 युवाओं को सम्मानित भी किया गया। लगभग 3.6 लाख से अधिक लोगों ने डिजिटली 'जल जीवन मिशन द वाटर रन' गेम्स भी खेला। योगी सरकार ने अतिथि देवो भवः की परंपरा का निर्वहन करते हुए 25 लाख अतिथियों को उपहार स्वरूप 'जल प्रसाद' दिया।

महाकुंभ 2025 के समापन के बाद शनिवार को संगम क्षेत्र का नजारा कुछ इस तरह दिखा • प्रेट्र

30 लाख श्रद्धालुओं ने सुजल गांव में देखी बदले उप्र की विकास गाथा

3.6 लाख लोगों डिजिटली खेला जल जीवन मिशन द वाटर रन गेम्स

- नमामि गंगे योजना के तहत महाकुंभ में बसाया गया था स्वच्छ सुजल गांव
- नल से जल पर हुई क्विज प्रतियोगिता, 10229 युवाओं का किया गया सम्मान

संगम तट पर 45 दिन के लिए आयोजित दुनिया के सबसे बड़े मानव समागम महाकुंभ में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया गया था। इसमें देश-दुनिया के 30 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने 2017 के बाद आए बदलाव के बाद यूपी के समृद्ध गांवों की कहानी भी देखी। गांव में प्रतिदिन शाम को गंगा जल आरती में शामिल होकर लोगों ने यूपी की आध्यात्मिक वैभव का भी दीदार किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में 'हर घर जल' पहुंचाने की नई तस्वीर से भी आगंतुक रूबरू हुए। उन्होंने यहां 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा को भी देखा। देश-दुनिया से आए श्रद्धालुओं ने 40 हजार वर्ग फीट में बसे गांव में पीएम आवास, सीएम आवास, ग्राम पंचायत, सोलर एनर्जी के जरिए समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी देखी। इसकी थीम 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थी। सुजल गांव में बुंदेलखंड की ग्रामीण महिलाओं ने सांस्कृतिक मंच के जरिए जीवन और जीवनशैली में बदलाव की कहानी बयां की।

'अतिथि देवो भवः' भारत की परंपरा के अनुसार स्वच्छ सुजल गांव में आए 25 लाख से अधिक आगंतुकों को जूट-कपड़े के बैग में 'जल प्रसाद' भी दिया गया। इसमें संगम का जल, जल जीवन मिशन की डायरी, सफलता व बदलाव की कहानी से जुड़ी आदि अध्ययन सामग्री भी रही। नल से जल पर क्विज प्रतियोगिता भी हुई। सही उत्तर देने वाले 10,229 युवाओं को आनलाइन प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रमुख स्नानों को छोड़कर अन्य दिनों में 3.6 लाख से अधिक लोगों ने डिजिटली 'जल जीवन मिशन द वाटर रन' गेम्स भी खेला।

महाकुम्भ में नमामि गंगे विभाग के स्वागत से अभिभूत हुए आगंतुक

'स्वच्छ सुजल गांव' में आए 30 लाख लोगों ने देखी 'बदले यूपी की विकास गाथा'

योगी सरकार के नेतृत्व में लगे महाकुम्भ में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के 'स्वच्छ सुजल गांव' में पहुंचे आगंतुक स्वागत से अभिभूत हुए। गांव में आए 30 लाख लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'बदले यूपी की विकास गाथा' भी देखी। इस दौरान 'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता में 10229 युवाओं को सम्मानित भी किया गया। 3.60 लाख से अधिक लोगों ने डिजिटली 'जल जीवन मिशन द वाटर रन' गेम भी खेला। योगी सरकार ने अतिथि देवो भवः की परंपरा का निर्वहन करते हुए 25 लाख अतिथियों को उपहार स्वरूप 'जल प्रसाद' भी दिया।

30 लाख से अधिक आगंतुक आए 'स्वच्छ सुजल गांव'

[illegible]

'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर बसाया गांव

[illegible]

'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है विभाग

[illegible]

30 लाख लोगों ने देखी बदले यूपी की विकास गाथा

प्रयागराज/लखनऊ। महाकुम्भ में 30 लाख लोगों ने बदले यूपी की विकास गाथा को देखा। नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के स्वचछ सुजल गांव की प्रदर्शनी में लोगों ने देखा कि पिछले कुछ वर्षो में बुंदेलखंड में किस तरह का बदलाव हुआ। प्रदर्शनी में 'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता में 10229 युवाओं को सम्मानित भी किया गया। 3.60 लाख से अधिक लोगों ने डिजिटली 'जल जीवन मिशन द वाटर रन' गेम्स भी खेला।

अतिथि देवो भवः की परंपरा का निर्वहन करते हुए 25 लाख अतिथियों को उपहार स्वरूप 'जल प्रसाद' भी दिया। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड के गांव-गांव में हर घर जल पहुंचाने की तस्वीर ने लोगों को आकर्षित किया। 40 हजार वर्ग फीट में बसाए गए बुंदेलखंड के गांव में 2017 से बदलती स्थिति के बारे में जानकारी दी गई।गांव में पीएम आवास, सीएम आवास, ग्राम पंचायत, सोलर एनर्जी के जरिये समृद्ध उत्तर प्रदेश की लोगों ने नई कहानी भी देखी।

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई तो इंजीनियरों व एजेंसियों पर कार्रवाई

लखनऊ। गर्मियों के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित न हो, इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बुधवार को मुख्यालय में विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने फील्ड में तैनात इंजीनियरों और एजेंसियों को चेताया कि गर्मियों में जलापूर्ति बाधित हुई तो कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि कहीं भी जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिली तो दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। बता दें, बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। उन्होंने मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने का निर्देश भी दिया। ब्यूरो

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई तो इंजीनियरों पर होगी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ : गर्मियों में ग्रामीण क्षेत्रों में सुचारु ढंग से जलापूर्ति सुनिश्चित किए जाने को लेकर बुधवार को नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने जिलों की तैयारियों की समीक्षा की। इंजीनियरों व जलापूर्ति के कार्य में लगी एजेंसियों को सख्त चेतावनी दी गई कि अगर ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित हुई तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं सुस्त गति से कार्य करने वाली एजेंसियों का भुगतान रोकने के आदेश भी दिए गए।

प्रमुख सचिव नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग अनुराग श्रीवास्तव ने अधिकारियों से दो टूक कहा कि अगर गांव में जलापूर्ति बाधित होने की शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। खासकर बुंदेलखंड व विंध्य क्षेत्रों में गर्मियों में पानी की किल्लत होती है, ऐसे में समय रहते इससे निपटने की तैयारियां पूरी की जाएं। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के अधिकारियों के साथ जुड़े प्रमुख सचिव ने कहा कि जलापूर्ति रुकी तो इंजीनियरों व एजेंसियों की प्रगति भी रुक जाएगी। चीफ इंजीनियर के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। उन्होंने अधिकारियों से गांव में पेयजल आपूर्ति के एक्शन प्लान के बारे में भी जानकारी मांगी।

वहीं अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर पेयजल आपूर्ति की स्थिति के बारे में विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर विभाग को भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिशासी निदेशक को निर्देश दिए कि जलापूर्ति के कार्य में लगी एजेंसियों के कार्यों की सख्ती के साथ निगरानी की जाए। ऐसी एजेंसियां जो बहुत धीमी गति से कार्य कर रही हैं, उनका भुगतान रोका जाए। लापरवाही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर उसे शासन को भेजने के निर्देश दिए ताकि इनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा सके।

epaper
हिन्दुस्तान

Share Copy url Save Font Size D'load Image Image Text Listen

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई तो नपेंगे इंजीनियर

लखनऊ, विशेष संवाददाता। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने फील्ड में तैनात इंजीनियरों और एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए।

प्रमुख सचिव ने कहा कि अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है तो दोषी इंजीनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। इसी के चलते विभाग से जुड़े सभी इंजीनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग के निर्देश दिए गए हैं।

जलापूर्ति रुकी तो होगी कठोर कार्रवाई

नमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजीनियरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में प्रमुख सचिव ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रुकती है तो इंजीनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रुक जाएगी। साथ ही चीफ इंजीनियरों पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी।

इस दौरान उन्होंने सभी इंजीनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वॉटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। अधिकारियों से गांवों का दौरा कर हकीकत जानने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
प्रहरी मीमांसा
लखनऊ । गुरूवार । 20 मार्च 2025

गांवों में जलापूर्ति बाधित होने पर होगी कठोर दंडात्मक कार्रवाई : अपर मुख्य सचिव

प्रहरी मीमांसा संवाददाता

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजिनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजिनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजिनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो। नमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजिनियरों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रूकती है, तो इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रूक जाएगी। साथ ही चीफ इंजिनियरों पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने सभी इंजिनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वॉटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। साथ ही अधिकारियों से गांवों का दौरा कर जलापूर्ति की हकीकत जानने के भी निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर, उसे शासन को भेजने को कहा।

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई तो होगी कार्रवाई

गर्मियों में जलापूर्ति की तैयारियों को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ की बैठक

- अपर मुख्य सचिव की दो टूक, जलापूर्ति रुकी तो रुक जाएगी इंजीनियरों और एजेंसियों की प्रगति
- बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े एडीएम नमामि गंगे और विभागीय इंजीनियर

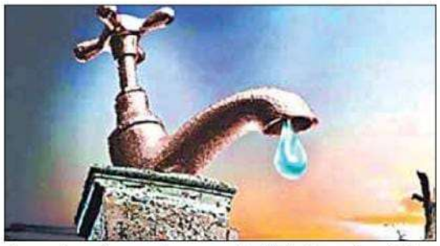

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय मे गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की।

इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजिनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाइ की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजीनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी को दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजिनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्य से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बधित न हो। जलापूर्ति रूकी, तो रूक जाएगी इंजीनियरों और एजेंसियों की प्रगतिनमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजिनियरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रुकती है, तो इंजीनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रूक जाएगी। साथ ही चीफ इंजिनियरों पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी।

इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने सभी इंजीनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वॉटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। साथ ही अधिकारियों से गांवों का दौरा कर जलापूर्ति की हकीकत जानने के भी निर्देश दिए। धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोंके अधिशासी निदेशक अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से कम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर उसे शासन को भेजने को कहा।

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई, तो इंजीनियर-एजेंसियों पर होगी कठोर दंडात्मक कार्रवाई : अनुराग श्रीवास्तव

स्वदेश समाचार ■ लखनऊ

गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजीनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजीनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजीनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो।

जलापूर्ति रुक, तो रुक जाएगी इंजीनियरों और एजेंसियों की प्रगति : नमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजीनियरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रूकती है, तो इंजीनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रुक जाएगी। साथ ही चीफ इंजीनियर पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी।अपर मुख्य सचिव ने सभी इंजीनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वाटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। साथ ही अधिकारियों से गांवों का दौरा कर जलापूर्ति की हकीकत जानने के भी निर्देश दिए।

धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोकें : अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए।

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई, तो इंजिनियरों-एजेंसियों पर होगी कठोर दंडात्मक कार्रवाईः अपर मुख्य सचिव

गर्मियों में गांवों में जलापूर्ति की तैयारियों को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ की बैठक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजिनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजिनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है।

यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजिनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो।

जलापूर्ति रुकी, तो रुक जाएगी इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति- नमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजिनियरों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रुकती है, तो इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रुक जाएगी। साथ ही चीफ इंजिनियरों पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने सभी इंजिनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वॉटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। साथ ही अधिकारियों से गांवों का दौरा कर जलापूर्ति की हकीकत जानने के भी निर्देश दिए।

धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोकें अधिशासी निदेशक- अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर, उसे शासन को भेजने को कहा।

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई, तो इंजिनियरों-एजेंसियों पर होगी कठोर दंडात्मक कार्रवाई- अपर मुख्य सचिव

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजिनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजिनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजिनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो।

जलापूर्ति रूकी, तो रूक जाएगी इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति

नमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजिनियरों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रूकती है, तो इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रूक जाएगी। साथ ही चीफ इंजिनियरों पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने सभी इंजिनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वॉटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। साथ ही अधिकारियों से गांवों का दौरा कर जलापूर्ति की हकीकत जानने के भी निर्देश दिए।

धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोंके अधिशासी निदेशक

अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर, उसे शासन को भेजने को कहा।

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई तो इंजिनियरों-एजेंसियों पर होगी कठोर दंडात्मक कार्रवाई : अपर मुख्य सचिव

- अपर मुख्य सचिव की दो टूक- जलापूर्ति रूकी, तो रूक जाएगी इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति
- गर्मियों में गांवों में जलापूर्ति की तैयारियों को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ की बैठक

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजिनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजिनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजिनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो। जलापूर्ति रूकी, तो रुक जाएगी इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति

नमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजिनियरों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रूकती है, तो इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रुक जाएगी। साथ ही चीफ इंजिनियरों पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने सभी इंजिनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वॉटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। साथ ही अधिकारियों से गांवों का दौरा कर जलापूर्ति की हकीकत जानने के भी निर्देश दिए।

धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोकें अधिशासी निदेशक

अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर, उसे शासन को भेजने को कहा।

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई तो इंजिनियरों पर होगी कार्रवाई: अपर मुख्य सचिव

धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोंके अधिशासी निदेशक

अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर शासन को भेजने को कहा है।

➤ गर्मियों में गांवों में जलापूर्ति को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक

संवाददाता । लखनऊ

गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजिनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजिनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजिनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो।

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई तो इंजिनियरों पर होगी कार्रवाई: अपर मुख्य सचिव

- गर्मियों में गांवों में जलापूर्ति को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक

<u>लेटेस्ट क्राइम</u> (ब्यूरो)

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजिनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजिनियरों औ्र एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजिनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो।

धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोंके अधिशासी निदेशक

अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर शासन को भेजने को कहा है।

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई तो इंजिनियरों पर होगी कार्रवाईः अपर मुख्य सचिव

गर्मियों में गांवों में जलापूर्ति को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक

पुनीत संदेश

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजिनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजिनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजिनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो।

धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोंके अधिशासी निदेशक

अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर शासन को भेजने को कहा है।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी संखनाद'

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई, तो इंजिनियरों-एजेंसियों पर होगी कठोर दंडात्मक कार्रवाईरू अपर मुख्य सचिव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजिनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजिनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजिनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो। जलापूर्ति रूकी, तो रूक जाएगी इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगतिनमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजिनियरों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रूकती है, तो इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रूक जाएगी। साथ ही चीफ इंजिनियरों पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने सभी इंजिनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वॉटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। साथ ही अधिकारियों से गांवों का दौरा कर जलापूर्ति की हकीकत जानने के भी निर्देश दिए। धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोंके अधिशासी निदेशक अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर, उसे शासन को भेजने को कहा।

तेजस टूडे राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई तो इंजीनियरों-एजेंसियों पर होगी कठोर दण्डात्मक कार्यवाही : अपर मुख्य सचिव

गर्मियों में गांवों में जलापूर्ति की तैयारियों को लेकर विभागीय अधिकारियों संग की बैठक

अधिशासी निदेशक को धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोकने के निर्देश

कहा– धीमी रफ्तार से काम कर रहीं एजेंसियों का भुगतान रोंके अधिशासी निदेशक

अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर उसे शासन को भेजने को कहा।

तेजस टूडे ब्यूरो/आरएल पाण्डेय

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजिनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजिनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजिनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो। जलापूर्ति रूकी तो रूक जाएगी इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति नमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजिनियरों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रूकती है तो इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रूक जाएगी। साथ ही चीफ इंजिनियरों पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने सभी इंजिनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वॉटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। साथ ही अधिकारियों से गांवों का दौरा कर जलापूर्ति की हकीकत जानने के भी निर्देश दिये।

टाइम्स ऑफ जनसत्ता
हिन्दी दैनिक

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई, तो इंजिनियरों-एजेंसियों पर होगी कठोर दंडात्मक कार्रवाईः अपर मुख्य सचिव

- अपर मुख्य सचिव की दो टूक- जलापूर्ति रूकी, तो रूक जाएगी इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति
- गर्मियों में गांवों में जलापूर्ति की तैयारियों को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ की बैठक
- अधिशासी निदेशक को धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोकने के निर्देश
- भीषण गर्मी में पाइप्ड वॉटर सप्लाई को लेकर इंजिनियरों से पूछा प्लान

टाइम्स आफ जनसत्ता / आरएल पाण्डेयः लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजिनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजिनियरों औ्रर एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजिनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो।

जलापूर्ति रूकी, तो रूक जाएगी इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति–नमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजिनियरों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रूकती है, तो इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रूक जाएगी। साथ ही चीफ इंजिनियरों पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने सभी इंजिनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वॉटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। साथ ही अधिकारियों से गांवों का दौरा कर जलापूर्ति की हकीकत जानने के भी निर्देश दिए।

धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोंके अधिशासी निदेशक – अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर, उसे शासन को भेजने को कहा।

Check water shortage in summer: ACS

Neha.Lalchandani
@timesofindia.com

Lucknow: Threatening action against officials and engineers in case of any disruption in piped water supply during the summer months, additional chief secretary of Namami Gange and rural drinking water supply department, Anurag Srivastava on Wednesday said that no complaints regarding shortage or tanker water supply should be received.

Reviewing preparations for the upcoming months, Srivastava asked officials and agencies to ensure that their summer plan for undisrupted water supply was ready at the earliest, especially for the Bundelkhand and Vindhya regions, which face annual water shortages.

"If the water supply stops, the progress of engineers and agencies will also halt. Additionally, punitive action will be taken against chief engineers concerned," he said, adding that a complete report on water supply during the summer from all engineers and agencies should be submitted to his office. He instructed officials to visit villages to ascertain the reality of water supply.

Srivastava also instructed the executive director of the state drinking water and sanitation mission to withhold payments for agencies working at a slow pace. He also asked for a list to be sent to the govt of executive engineers who are negligent in continuous monitoring.

जागरण

जल समाधान पोर्टल पर दर्ज हो सकेंगी शिकायतें

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने ग्रामीण जलापूर्ति की शिकायतों के निस्तारण के लिए शुक्रवार को जल समाधान पोर्टल (Jalsamadhan.in) का शुभारंभ किया। पोर्टल के जरिये ग्रामीण इलाकों में लोग नल कनेक्शन के लिए भी आवेदन कर सकेंगे। जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत भी की जा सकेगी। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में जलशक्ति मंत्री ने बताया कि एंड्रायड मोबाइल फोन के लिए भी जल समाधान एप उपलब्ध है। उन्होंने जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत प्राप्त करने के लिए टोल फ्री नंबर 18001212614 का भी शुभारंभ किया। मंत्री ने प्रयागराज महाकुंभ के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले 112 अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों से संबंधित काफी टेबल बुक का भी विमोचन किया।

हिन्दुस्तान

कुम्भ में सराहनीय सेवा पर 112 कर्मी सम्मानित

लखनऊ। महाकुंभ-2025 के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी खासी चर्चा में रही। इसके आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े 112 कर्मियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को सम्मानित किया।

जल समाधान पोर्टल सुलझाएगा ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति से जुड़ी समस्या

इस मौके पर जलशक्ति मंत्री ने जल समाधान पोर्टल का शुभारंभ किया। लोग अपने जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों की पूरी प्रक्रिया को ट्रैक भी कर सकेंगे। जल समाधान पोर्टल पर **Jalsamadhan.in** के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। साथ ही टोल फ्री नंबर-18001212164 का भी शुभारंभ किया गया।

'जलापूर्ति समस्या का समाधान करेगा पोर्टल'

NBT रिपोर्ट, लखनऊ : ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति संबंधी समस्याओं के जल्दी से जल्दी हल करने के लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल समाधान पोर्टल लॉन्च किया है। पोर्टल और ऐप के जरिए लोग ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति संबंधी शिकायत कर सकेंगे। साथ ही टॉल फ्री नंबर 180012121614 का भी शुभारंभ किया। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुए कार्यक्रम में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सीएम योगी ने आठ साल का कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से नापा जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए। किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है।

> जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने लॉन्च किया पोर्टल और ऐप

112 कर्मचारी सम्मानित

स्वच्छ सुजल गांव में बेहतरीन काम के लिए जिन 112 अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्हें अंगवस्त्र देकर सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए सर्टिफिकेट भी दिया गया। स्वच्छ सुजल गांव की पूरी टीम को लीड करने वाले राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के वरिष्ठ सलाहकार राधा कृष्ण त्रिपाठी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

The Pioneer
NEW DELHI | SATURDAY | MARCH 29, 2025

Maha Kumbh reflects Yogi's eight years success, says Swatantra Dev

PIONEER NEWS SERVICE ■ Lucknow

Uttar Pradesh's Jal Shakti Minister Swatantra Dev Singh on Friday described the Maha Kumbh 2025 in Prayagraj as a global success and a testament to Chief Minister Yogi Adityanath's leadership over the past eight years. He emphasised that the seamless management of the world's largest religious gathering reflected the efficiency of governance under Adityanath.

"The Maha Kumbh was a resounding success on the global stage. In fact, the achievements of Chief Minister Yogi Adityanath's eight-year tenure can be measured by how well this massive congregation was managed," Singh said.

He highlighted that approximately 66 crore people attended the event and praised the law and order situation, noting that no major crimes were reported.

The minister was speaking at an event organised by the Namami Gange and Rural Water Supply Department, where 112 employees were felicitated for their exemplary contributions during the Maha Kumbh, held from January 13 to February 26. Singh, along with Additional Chief Secretary Anurag Srivastava, honored employees from various departments and agencies for their efforts in organising the 'Swachh Sujal Gaon' exhibition, which showcased the transformation of rural Uttar Pradesh under the Jal Jeevan Mission.

Pioneer photo

Singh commended the exhibition, stating that it effectively demonstrated the impact of water supply initiatives in rural areas. He noted that the Nal se Jal Yojana had significantly improved access to drinking water, particularly in arid regions like Bundelkhand and Vindhya. He added that the government's focus on infrastructure had also resulted in better roads and housing for the poor.

Additional Chief Secretary Anurag Srivastava credited the success of the exhibition to the dedication of employees, while Information Commissioner PN Dwivedi highlighted key attractions such as the "Matke Wala Chauraha," which became a symbol of the Maha Kumbh. Dwivedi said the exhibition reflected the broader transformation of rural Uttar Pradesh through the Jal Jeevan Mission.

Jal Samadhan portal launched

On the same occasion, Swatantra Dev Singh launched the Jal Samadhan Portal to streamline water-related services in the state. He said the portal would allow residents to apply for water connections, register complaints, and track their grievances online.

The service can be accessed through Jalsamadhan.in, a toll-free number (180012121614), and an Android app. Additionally, a coffee table book documenting the work of the Jal Jeevan Mission across Uttar Pradesh was released at the event.

स्वदेश

महाकुंभ में उत्कृष्ट योगदान वाले 112 अधिकारी हुए सम्मानित

जल शक्ति मंत्री बोले- ये आयोजन दिखाता है कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज चलता है

स्वदेश समाचार ■ लखनऊ

महाकुंभ-2025 के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े 112 कर्मचारियों और अधिकारियों को जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। इस मौके पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी ने 8 साल का कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से नापा जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए। किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में

प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है।

स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए जल शक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। जल शक्ति मंत्री ने विभागीय कर्मचारियों द्वारा महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की मदद के लिए जो काम किए गए। उसकी तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मानवता के इस सबसे बड़े आयोजन में विभागीय कर्मचारियों का काम सराहनीय है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में कई ऐसे प्रतीक थे, जो महाकुंभ क्षेत्र की पहचान बन गए थे। इसमें मटके वाला चौराहा प्रमुख था। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शनी कुंभ की परिकल्पना को परिलक्षित करने वाली थी। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जल जीवन मिशन के कर्मचारियों अधिकारियों को मिला सम्मान

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। महाकुंभ के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले 112 कर्मचारियों और अधिकारियों को शुक्रवार को सम्मानित किया गया। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सम्मान दिया। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 8 साल के कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से नापा जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए। किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है। स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। कार्यक्रम में सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में कई ऐसे प्रतीक थे, जो महाकुंभ क्षेत्र की पहचान बन गए थे। इसमें मटके वाला चौराहा प्रमुख था। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शनी कुंभ की परिकल्पना को परिलक्षित करने वाली थी। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे।

Rural water supply dept workers feted for Kumbh

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Jal Shakti minister Swatantra Dev Singh on Friday felicitated 112 employees of the department of Namami Gange and Rural Water Supply for exemplary service during the recently concluded Maha Kumbh. Singh called the Maha Kumbh a global hit and said the "brilliant management of the mega event was a barometer of the success of Chief Minister Yogi Adityanath".

"As many as 66 crore people from across the globe visited the Maha Kumbh, and everyone

The employees of other agencies that worked with the department were also felicitated by the minister

was impressed by the seamless management and services extended to them. The fact that not one case of crime was reported at the event speaks volumes about the rule of law in the state under CM Yogi Adityanath's leadership," he said.

The employees of other agencies that worked with the department during the Maha Kumbh were also felicitated by the minister and additional chief secretary Anurag Srivastava. The team was also lauded for setting up the 'Swacchh Sujal Gaon' exhibition at the event to showcase the transformation of rural UP after the advent of the Jal Jeevan Mission and the Har Ghar Nal scheme.

Singh praised the exhibition for brilliantly showcasing the various initiatives of the department. Srivastava attributed the success of the exhibition to the hard work of the employees, saying that it drew appreciation from all visitors.

The minister also launched the Jal Samadhan Portal and said it will help people apply for water connections easily and register and track complaints related to water supply. The portal can be accessed by logging in through Jalsamadhan.in. A toll-free number, 180012121614, was also launched on Friday.

सम्मान जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह बोले- ये आयोजन दिखाता है कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज चलता है

महाकुंभ में सराहनीय काम करने वाले अधिकारी व कर्मी सम्मानित

» जल से जुड़ी समस्याओं से निजात दिलाने के लिए जल समाधान पोर्टल का किया शुभारंभ

» स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी : प्रमुख सचिव

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। महाकुंभ-2025 के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े 112 कर्मचारियों और अधिकारियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 8 साल का कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से नापा जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए। किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है। स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की

तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। जलशक्ति मंत्री ने विभागीय कर्मचारियों द्वारा महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की मदद के लिए जो काम किए गए। उसकी तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मानवता के इस सबसे बड़े आयोजन में विभागीय कर्मचारियों का काम सराहनीय है। कार्यक्रम के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। कार्यक्रम में सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में कई ऐसे प्रतीक थे, जो महाकुंभ क्षेत्र की पहचान बन गए थे। इसमें मटके वाला चौराहा प्रमुख था। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शनी कुंभ की परिकल्पना को परिलक्षित करने वाली थी। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

जल समाधान पोर्टल सुलझाएगा ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति से जुड़ी समस्याइस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल समाधान पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए लोग नल कनेक्शन अप्लाई कर सकेंगे। साथ ही जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत भी कर सकेंगे। इसके अलावा लोग अपने जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों को पूरी प्रक्रिया को ट्रैक भी कर सकेंगे। जल समाधान पोर्टल पर Jalsamadhan.in के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। साथ ही टोल फ्री नंबर 18001212l614 का भी शुभारंभ किया गया। जल समाधान ऐप भी अनोरॉयड पर भी उपलब्ध है।यह कॉफी टेबल बुक जल जीवन मिशन के जरिए प्रदेश भर में हुए काम के बारे में बताया गया है। स्वच्छ सुजल गांव में बेहतरीन काम के लिए जिन 112 अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्हें अंगवस्त्र प्रदानकर सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए सर्टिफिकेट भी दिया गया।

विश्ववार्ता
www.vishwavarta.com

सम्मान | जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह बोले– ये आयोजन दिखाता है कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज चलता है

महाकुंभ में सराहनीय काम करने वाले अधिकारी व कर्मी सम्मानित

- जल से जुड़ी समस्याओं से निजात दिलाने के लिए जल समाधान पोर्टल का किया शुभारंभ
- स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी : प्रमुख सचिव

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। महाकुंभ-2025 के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े 112 कर्मचारियों और अधिकारियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 8 साल का कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से नापा जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए। किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है। स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की

तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। जलशक्ति मंत्री ने विभागीय कर्मचारियों द्वारा महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की मदद के लिए जो काम किए गए। उसकी तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मानवता के इस सबसे बड़े आयोजन में विभागीय कर्मचारियों का काम सराहनीय है। कार्यक्रम के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। कार्यक्रम में सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में कई ऐसे प्रतीक थे, जो महाकुंभ क्षेत्र की पहचान बन गए थे। इसमें मटके वाला चौराहा प्रमुख था। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शनी कुंभ की परिकल्पना को परिलक्षित करने वाली थी। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

जल समाधान पोर्टल सुलझाएगा ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति से जुड़ी समस्याइस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल समाधान पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए लोग नल कनेक्शन अप्लाई कर सकेंगे। साथ ही जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत भी कर सकेंगे। इसके अलावा लोग अपने जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों को पूरी प्रक्रिया को ट्रैक भी कर सकेंगे। जल समाधान पोर्टल पर Jalsamadhan.in के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। साथ ही टोल फ्री नंबर 18001212 1614 का भी शुभारंभ किया गया। जल समाधान ऐप भी अनोरॉयड पर भी उपलब्ध है। यह कॉफी टेबल बुक जल जीवन मिशन के जरिए प्रदेश भर में हुए काम के बारे में बताया गया है। स्वच्छ सुजल गांव में बेहतरीन काम के लिए जिन 112 अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्हें अंगवस्त्र प्रदानकर सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए सर्टिफिकेट भी दिया गया।

उत्तर प्रदेश में चलता है कानून का राज : स्वतंत्र देव सिंह

प्रहरी मीमांसा संवाददाता

लखनऊ। महाकुंभ-2025 के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े 112 कर्मचारियों और अधिकारियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 8 साल का कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से नापा जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए। किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है। स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। जलशक्ति मंत्री ने विभागीय कर्मचारियों द्वारा महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की मदद के लिए जो काम किए गए। उसकी तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मानवता के इस सबसे बड़े आयोजन में विभागीय कर्मचारियों का काम सराहनीय है।

कार्यक्रम के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। कार्यक्रम में सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में कई ऐसे प्रतीक थे, जो महाकुंभ क्षेत्र की पहचान बन गए थे। इसमें मटके वाला चौराहा प्रमुख था। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शनी कुंभ की परिकल्पना को परिलक्षित करने वाली थी। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल समाधान पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए लोग नल कनेक्शन अप्लाई कर सकेंगे। साथ ही जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत भी कर सकेंगे। इसके अलावा लोग अपने जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों को पूरी प्रक्रिया को ट्रैक भी कर सकेंगे। जल समाधान पोर्टल पर के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। साथ ही टोल फ्री नंबर 180012121614 का भी शुभारंभ किया गया।

समाजवादी पार्टी अब समाप्त होती दिख रही है : नंदी

फिरोजाबाद। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल नंदी ने शुक्रवार को कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रधान सेवक के रूप में विभिन्न योजनाओं द्वारा देश की जनता की सेवा कर रहे हैं। इस कारण विपक्षी पार्टियां घबराई हुई हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक मंत्री नन्द गोपाल नंदी फिरोजाबाद में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान वह मीडिया से भी रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इस देश की जनता है। क्योंकि उन्होंने प्रधान सेवक के रूप में अंत्योदय की भावना को ध्यान में रखते हुए विभिन्न योजनाएं बनाई है। जिनका सीधा लाभ देश की जनता को मिल रहा है। इसलिए विपक्षी पार्टियां घबराई हुई हैं। उन्होंने सपा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा राणा सांगा पर दिए गए बयान को लेकर कहा कि सत्ता की हवस में यह लोग उन लोगों को महिमा मंडित कर रहे हैं जिन्होंने इस देश को लूटने का काम किया है। सनातन धर्म का विरोध उनके डीएनए में है। आरोप लगाया कि मुलायम सिंह यादव ने राम भक्तों पर गोलियां चलवाने का काम किया था। यह रोजा इफ्तार की पार्टी में तो जाते हैं।

शौर्
के

प्रहरी मी

लख
मंत्रीजय
स्थित श
भारतीय
संग्रहाल
परियोज
आगंतुक
उपलब्धि
म्यूजियम
स्थापित
के तहत
हिस्सा
आईएन
किया ज
वाटिका
किया ज
और मर
के संचा
जाएगा,
सकें। भा
2017
विमान
मार्च 20
इन्हें सेव
भारतीय

उत्तर प्रदेश में चलता है कानून का राज : स्वतंत्र देव सिंह

प्रहरी मीमांसा संवाददाता

लखनऊ। महाकुंभ-2025 के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े 112 कर्मचारियों और अधिकारियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 8 साल का कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से नापा जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए। किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है। स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। जलशक्ति मंत्री ने विभागीय कर्मचारियों द्वारा महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की मदद के लिए जो काम किए गए। उसकी तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मानवता के इस सबसे बड़े आयोजन में विभागीय कर्मचारियों का काम सराहनीय है।

कार्यक्रम के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। कार्यक्रम में सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में कई ऐसे प्रतीक थे, जो महाकुंभ क्षेत्र की पहचान बन गए थे। इसमें मटके वाला चौराहा प्रमुख था। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शनी कुंभ की परिकल्पना को परिलक्षित करने वाली थी।

इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल समाधान पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए लोग नल कनेक्शन अप्लाई कर सकेंगे। साथ ही जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत भी कर सकेंगे। इसके अलावा लोग अपने जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों को पूरी प्रक्रिया को ट्रैक भी कर सकेंगे। जल समाधान पोर्टल पर के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। साथ ही टोल फ्री नंबर 180012121614 का भी शुभारंभ किया गया।

समाजवादी पार्टी अब समाप्त होती दिख रही है : नंदी

फिरोजाबाद। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल नंदी ने शुक्रवार को कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रधान सेवक के रूप में विभिन्न योजनाओं द्वारा देश की जनता की सेवा कर रहे हैं। इस कारण विपक्षी पार्टियां घबराई हुई हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक मंत्री नन्द गोपाल नंदी फिरोजाबाद में आयोजित एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान वह मीडिया से भी रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इस देश की जनता है। क्योंकि उन्होंने प्रधान सेवक के रूप में अंत्योदय की भावना को ध्यान में रखते हुए विभिन्न योजनाएं बनाई है। जिनका सीधा लाभ देश की जनता को मिल रहा है। इसलिए विपक्षी पार्टियां घबराई हुई हैं। उन्होंने सपा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा राणा सांगा पर दिए गए बयान को लेकर कहा कि सत्ता की हवस में यह लोग उन लोगों को महिमा मंडित कर रहे हैं जिन्होंने इस देश को लूटने का काम किया है। सनातन धर्म का विरोध उनके डीएनए में है। आरोप लगाया कि मुलायम सिंह यादव ने राम भक्तों पर गोलियां चलवाने का काम किया था। यह रोजा इफ्तार की पार्टी में तो जाते हैं।

जलशक्ति मंत्री ने जल जीवन मिशन के 112 अधिकारी एवं कर्मचारियों को किया सम्मानित

टाइम्स ऑफ जनसत्ता :लखनऊ

उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने महाकुंभ 2025 के दौरान जल जीवन मिशन की ओर से लगाई गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े 112 कर्मचारियों और अधिकारियों को सम्मानित किया। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने इस अवसर पर कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 8 साल के कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से जाना जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए और किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है। मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया। विभागीय कर्मचारियों ने महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की मदद के लिए जो काम किए, वे इस सबसे बड़े आयोजन को देखते हुए सराहनीय है। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। कार्यक्रम में सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में कई ऐसे प्रतीक थे जो महाकुंभ क्षेत्र की पहचान बन गए थे। इसमें मटके वाला चौराहा प्रमुख था। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शनी कुंभ की परिकल्पना को परिलक्षित करने वाली थी। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल समाधान पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए लोग नल कनेक्शन अप्लाई कर सकेंगे। साथ ही जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत भी कर सकेंगे। इसके अलावा लोग अपने जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों को पूरी प्रक्रिया को ट्रैक भी कर सकेंगे। जल समाधान पोर्टल पर Jalsamadhan.in के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। साथ ही टोल फ्री नंबर 180012121614 का भी शुभारंभ किया गया। जल समाधान ऐप भी अनोरॉयड पर भी उपलब्ध है। इस मौके पर कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया गया। यह कॉफी टेबल बुक जल जीवन मिशन के जरिए प्रदेश भर में हुए काम के बारे में बताया गया है। कार्यक्रम में सर्वप्रथम स्वच्छ सुजल गांव में बेहतरीन काम के लिए 112 अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्हें अंगवस्त्र प्रदानकर सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए सर्टिफिकेट भी दिया गया। स्वच्छ सुजल गांव की पूरी टीम को लीड करने वाले राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के वरिष्ठ सलाहकार राधा कृष्ण त्रिपाठी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में योजनाओं को बेहतरीन ढंग से किया प्रदर्शितः जलशक्ति मंत्री

महाकुंभ में सराहनीय काम करने वाले कर्मचारियों-अधिकारियों को किया सम्मानित

लेटेस्ट क्राइम (ब्यूरो)

लखनऊ। महाकुंभ-2025 के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े कर्मचारियों और अधिकारियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 8 साल का कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से नापा जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए। किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है। स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे।

जल से जुड़ी समस्याओं से निजात दिलाने के लिए जल समाधान पोर्टल का किया शुभारंभ

112 कर्मचारियों को किया गया सम्मानितस्वच्छ सुजल गांव में बेहतरीन काम के लिए जिन 112 अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्हें अंगवस्त्र प्रदानकर सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए सर्टिफिकेट भी दिया गया। स्वच्छ सुजल गांव की पूरी टीम को लीड करने वाले राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के वरिष्ठ सलाहकार राधा कृष्ण त्रिपाठी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में योजनाओं को बेहतरीन ढंग से किया प्रदर्शितः जलशक्ति मंत्री

- **महाकुंभ में सराहनीय काम करने वाले कर्मचारियों-अधिकारियों को किया सम्मानित**
- **जल से जुड़ी समस्याओं से निजात दिलाने के लिए जल समाधान पोर्टल का किया शुभारंभ**

संवाददाता । लखनऊ

महाकुंभ-2025 के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े कर्मचारियों और अधिकारियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सम्मानित किया।

इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 8 साल का कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से नापा जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए। किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है। स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया।

प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे।

112 कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

स्वच्छ सुजल गांव में बेहतरीन काम के लिए जिन 112 अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्हें अंगवस्त्र प्रदानकर सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए सर्टिफिकेट भी दिया गया। स्वच्छ सुजल गांव की पूरी टीम को लीड करने वाले राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के वरिष्ठ सलाहकार राधा कृष्ण त्रिपाठी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में योजनाओं को बेहतरीन ढंग से किया प्रदर्शितः जलशक्ति मंत्री

महाकुंभ में सराहनीय काम करने वाले कर्मचारियों-अधिकारियों को किया सम्मानित

जल से जुड़ी समस्याओं से निजात दिलाने के लिए जल समाधान पोर्टल का किया शुभारंभ

112 कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

स्वच्छ सुजल गांव में बेहतरीन काम के लिए जिन 112 अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्हें अंगवस्त्र प्रदानकर सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए सर्टिफिकेट भी दिया गया। स्वच्छ सुजल गांव की पूरी टीम को लीड करने वाले राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के वरिष्ठ सलाहकार राधा कृष्ण त्रिपाठी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

पुनीत संदेश

लखनऊ। महाकुंभ-2025 के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े कर्मचारियों और अधिकारियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 8 साल का कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से नापा जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए। किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है। स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे।

Visitors Deeply Moved By Namami Gange's Grand Welcome At Maha Kumbh 2025

The 'Swachh Sujal Gaon' set up by the Namami Gange and Rural Water Supply Department at Maha Kumbh 2025, under the leadership of the Yogi government.

Written by Richa Kaushik
March 1, 2025

Maha Kumbh 2025

The 'Swachh Sujal Gaon' set up by the Namami Gange and Rural Water Supply Department at Maha Kumbh 2025, under the leadership of the Yogi government, left visitors deeply moved by the warm welcome they received.

The 'Swachh Sujal Gaon' set up by the Namami Gange and Rural Water Supply Department at Maha Kumbh 2025, under the leadership of the Yogi government, left visitors deeply moved by the warm welcome they received.

Over 30 lakh visitors explored the remarkable transformation of Uttar Pradesh, showcasing the significant progress achieved under Chief Minister Yogi Adityanath's leadership.

During the event, the Yogi government celebrated the enthusiasm of young participants by honoring 10,229 youth in the 'Nal Se Jal' quiz competition.

This initiative, designed to raise awareness about water conservation, was a hit among the young minds, reflecting the importance of sustainable water management in the state.

Digital Engagement Through 'Jal Jeevan Mission: The Water Run'

In addition to the quiz competition, more than 3.60 lakh participants engaged digitally in the 'Jal Jeevan Mission: The Water Run' games held from February 14 to 26.

This initiative aimed to promote water conservation through interactive gaming, reinforcing the importance of water sustainability in the minds of citizens.

Embodying The Spirit Of 'Atithi Devo Bhava' At Maha Kumbh 2025

The Yogi government embraced the Indian tradition of 'Atithi Devo Bhava' (The guest is God) by presenting 'Jal Prasad' as a token of hospitality to 25 lakh guests.

Showcasing Bundelkhand's Remarkable Transformation

A key highlight of the Swachh Sujal Gaon was the transformative journey of Bundelkhand, a region that had struggled with water scarcity before 2017.

Thanks to the efforts of the Yogi government and the Jal Jeevan Mission, Bundelkhand now ensures 'Har Ghar Jal' (water in every home), bringing life-changing improvements to the region. Visitors saw firsthand how the provision of clean and accessible water has dramatically improved daily life and well-being in the area.

Rural women from Bundelkhand shared powerful testimonies on a cultural platform, recounting the struggles they once faced due to water scarcity.

In areas like Banda, Jhansi, and Chitrakoot, water scarcity had even hindered marriages, while women in Lalitpur and Mahoba suffered from severe hair loss caused by the physical burden of carrying water.

These moving stories highlighted the profound impact that access to clean water has had on improving the quality of life for women in these areas.

'Peyjal Ka Samadhan, Mere Gaon Ki Nayi Pehchan' – A Vision Realized

Swachh Sujal Gaon, designed around the theme 'Peyjal ka Samadhan, Mere Gaon ki Nayi Pehchan' (Water Solution, My Village's New Identity), underscored the Yogi government's vision of rural prosperity.

The village provided a comprehensive look at the changes brought about since 2017, including initiatives like PM Awas Yojana, Mukhyamantri Awas Yojana, Gram Panchayat development, and the integration of solar energy in rural areas.

Cultural And Spiritual Enrichment For All Visitors

The Ganga Jal Aarti, held every morning and evening at the village, enriched the spiritual atmosphere, allowing visitors to immerse themselves in the cultural essence of the region.

The Jal Mandir in the village reinforced the message: 'Jal Prasad Hai, Jal Jeevandayi Hai—Conserve It, Don't Waste It,' urging visitors to adopt sustainable water practices.

Inspiring Young Participants And Digital Engagement At Maha Kumbh

The quiz competition on tap water engaged thousands of young participants, with 10,229 winners receiving online certificates.

Furthermore, the 'Jal Jeevan Mission: The Water Run' digital games reached over 3.60 lakh participants, deepening the awareness of water conservation practices and promoting sustainable living.

Through these initiatives, the Yogi government not only showcased Uttar Pradesh's development journey but also reinforced the importance of water conservation and sustainability as key pillars of the state's transformation.

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar
स्थापित – 1948
सत्य संवाद सेवा
बहुभाषी न्यूज एजेंसी

महाकुम्भ में नमामि गंगे विभाग के स्वागत से अभिभूत हुए आगंतुक

01 Mar 2025 16:13:32

-योगी सरकार ने बसाया था स्वच्छ सुजल गांव, गांव में आए 30 लाख लोगों ने देखी 'बदले यूपी की विकास गाथा' -'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता, 10229 युवाओं को किया गया सम्मानित

लखनऊ, 01 मार्च (हि.स.)। योगी सरकार के नेतृत्व में लगे महाकुम्भ में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के 'स्वच्छ सुजल गांव' में पहुंचे आगंतुक स्वागत से अभिभूत हुए। गांव में आए 30 लाख लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'बदले यूपी की विकास गाथा' भी देखी। इस दौरान 'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता में 10,229 युवाओं को सम्मानित किया गया। 3.60 लाख से अधिक लोगों ने डिजिटली 'जल जीवन मिशन द वाटर रन' गेम्स भी खेला। योगी सरकार ने अतिथि देवो भवः की परंपरा का निर्वहन करते हुए 25 लाख अतिथियों को उपहार स्वरूप 'जल प्रसाद' भी दिया।

-- 30 लाख से अधिक आगंतुक आए 'स्वच्छ सुजल गांव'

योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने महाकुम्भ में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया था। इसमें देश-दुनिया के 30 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने योगी सरकार के नेतृत्व में 2017 के बाद आए बदलाव के बाद यूपी के समृद्ध गांवों की कहानी भी देखी। गांव में प्रतिदिन शाम को गंगा जल आरती में शामिल होकर लोगों ने यूपी की आध्यात्मिक वैभव का भी दीदार किया।

--40 हजार स्क्वायर फीट में बसा था गांव

प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में 'हर घर जल' पहुंचाने की नई तस्वीर से भी आगंतुक रूबरू हुए। उन्होंने यहां 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा का भी दीदार किया। देश-दुनिया से आए श्रद्धालुओं ने 40 हजार स्क्वायर फीट में बसे गांव में प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री आवास, ग्राम पंचायत, सोलर एनर्जी के जरिये समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी देखी। इस गाथा ने 'बदले यूपी' की पहचान से हर आगंतुक को अवगत भी कराया।

--'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर बसा था गांव

राज्य सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 40 हजार स्क्वायर फिट में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया था। इसकी थीम 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थी। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बुंदेलखंड में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। गांव में बुंदेलखंड की ग्रामीण महिलाओं ने सांस्कृतिक मंच के जरिए जीवन और जीवनशैली में बदलाव की कहानी भी बयां की। बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने से शादी नहीं हो पाती थी, वहीं ललितपुर व महोबा के कुछ गांवों की महिलाओं के सिर के बाल भी पानी ढोने के कारण गायब हो गए थे। इन्होंने भी शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी आगंतुकों के समक्ष रखीं।

--'अतिथि देवो भवः' की परम्परा का भी निर्वहन कर रहा है विभाग

भारत की परम्परा के अनुसार स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले अतिथियों का सम्मान भी किया गया। 25 लाख से अधिक आगंतुकों को जूट-कपड़े के बैग में 'जल प्रसाद' दिया गया। इसमें संगम का जल, जल जीवन मिशन की डायरी, सफलता बदलाव की कहानी से जुड़ी आदि अध्ययन सामग्री भी रही।

--योगी सरकार ने 10,229 युवाओं को किया सम्मानित

नल से जल पर क्विज प्रतियोगिता भी हुई। इसमें हजारों युवाओं ने भाग लिया। सही उत्तर देने वाले 10,229 युवाओं को ऑनलाइन प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इसके साथ ही प्रमुख स्नानों को छोड़कर अन्य दिनों में 3.60 लाख से अधिक लोगों ने डिजिटली 'जल जीवन मिशन द वाटर रन' गेम्स भी खेला।

Live VNS

महाकुम्भ में नमामि गंगे विभाग के स्वागत से अभिभूत हुए आगंतुक

-योगी सरकार ने बसाया था स्वच्छ सुजल गांव, गांव में आए 30 लाख लोगों ने देखी 'बदले यूपी की विकास गाथा' -'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता, 10229 युवाओं को किया गया सम्मानित

लखनऊ, 01 मार्च (हि.स.)। योगी सरकार के नेतृत्व में लगे महाकुम्भ में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के 'स्वच्छ सुजल गांव' में पहुंचे आगंतुक स्वागत से अभिभूत हुए। गांव में आए 30 लाख लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'बदले यूपी की विकास गाथा' भी देखी। इस दौरान 'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता में 10,229 युवाओं को सम्मानित किया गया। 3.60 लाख से अधिक लोगों ने डिजिटली 'जल जीवन मिशन द वाटर रन' गेम्स भी खेला। योगी सरकार ने अतिथि देवो भवः की परंपरा का निर्वहन करते हुए 25 लाख अतिथियों को उपहार स्वरूप 'जल प्रसाद' भी दिया।

--'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर बसा था गांव

राज्य सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 40 हजार स्कायर फिट में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया था। इसकी थीम 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थी। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बुंदेलखंड में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। गांव में बुंदेलखंड की ग्रामीण महिलाओं ने सांस्कृतिक मंच के जरिए जीवन और जीवनशैली में बदलाव की कहानी भी बयां की। बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने से शादी नहीं हो पाती थी, वहीं ललितपुर व महोबा के कुछ गांवों की महिलाओं के सिर के बाल भी पानी ढोने के कारण गायब हो गए थे। इन्होंने भी शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी आगंतुकों के समक्ष रखीं।

--'अतिथि देवो भवः' की परम्परा का भी निर्वहन कर रहा है विभाग

भारत की परम्परा के अनुसार स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले अतिथियों का सम्मान भी किया गया। 25 लाख से अधिक आगंतुकों को जूट-कपड़े के बैग में 'जल प्रसाद' दिया गया। इसमें संगम का जल, जल जीवन मिशन की डायरी, सफलता बदलाव की कहानी से जुड़ी आदि अध्ययन सामग्री भी रही।

--योगी सरकार ने 10,229 युवाओं को किया सम्मानित

नल से जल पर क्विज प्रतियोगिता भी हुई। इसमें हजारों युवाओं ने भाग लिया। सही उत्तर देने वाले 10,229 युवाओं को ऑनलाइन प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इसके साथ ही प्रमुख स्नानों को छोड़कर अन्य दिनों में 3.60 लाख से अधिक लोगों ने डिजिटली 'जल जीवन मिशन द वाटर रन' गेम्स भी खेला।

INA NEWS
Initiate | News | Agency

Lucknow News: महाकुम्भ में नमामि गंगे विभाग के स्वागत से अभिभूत हुए आगंतुक, 'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता, 10229 युवाओं को किया गया सम्मानित।

योगी सरकार (yogi government) ने अतिथि देवो भवः की परंपरा का भी किया निर्वहन, 25 लाख अतिथियों को उपहार स्वरूप दिया गया 'जल प्रसाद'...

INA News_Admin Mar 1, 2025 - 17:42

लखनऊ: योगी सरकार के नेतृत्व में लगे महाकुम्भ में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के 'स्वच्छ सुजल गांव' में पहुंचे आगंतुक स्वागत से अभिभूत हुए। गांव में आए 30 लाख लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'बदले यूपी की विकास गाथा' भी देखी। इस दौरान 'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता में 10229 युवाओं को सम्मानित भी किया गया। 3.60 लाख से अधिक लोगों ने डिजिटली 'जल जीवन मिशन द वाटर रन' गेम्स भी खेला। योगी सरकार ने अतिथि देवो भवः की परंपरा का निर्वहन करते हुए 25 लाख अतिथियों को उपहार स्वरूप 'जल प्रसाद' भी दिया।

- **30 लाख से अधिक आगंतुक आए 'स्वच्छ सुजल गांव'**

योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया था। इसमें देश-दुनिया के 30 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने योगी सरकार के नेतृत्व में 2017 के बाद आए बदलाव के बाद यूपी के समृद्ध गांवों की कहानी भी देखी। गांव में प्रतिदिन शाम को गंगा जल आरती में शामिल होकर लोगों ने यूपी की आध्यात्मिक वैभव का भी दीदार किया।

- **40 हजार स्क्वायर फिट में बसा था गांव**

पीएम मोदी के मार्गदर्शन व सीएम योगी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में 'हर घर जल' पहुंचाने की नई तस्वीर से भी आगंतुक रूबरू हुए। उन्होंने यहां 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा का भी दीदार किया। देश-दुनिया से आए श्रद्धालुओं ने 40 हजार स्क्वायर फिट में बसे गांव में पीएम आवास, सीएम आवास, ग्राम पंचायत, सोलर एनर्जी के जरिये समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी देखी। इस गाथा ने 'बदले यूपी' की पहचान से हर आगंतुक को अवगत भी कराया।

- **'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर बसा था गांव**

योगी सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 40 हजार स्क्वायर फिट में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया था। इसकी थीम 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थी। पीएम मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बुंदेलखंड में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। गांव में बुंदेलखंड की ग्रामीण महिलाओं ने सांस्कृतिक मंच के जरिए जीवन और जीवनशैली में बदलाव की कहानी भी बयां की। बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने से शादी नहीं हो पाती थी, वहीं ललितपुर व महोबा के कुछ गांवों की महिलाओं के सिर के बाल भी पानी ढोने के कारण गायब हो गए थे। इन्होंने भी शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी आगंतुकों के समक्ष रखीं।

- **'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है विभाग**

'अतिथि देवो भवः' भारत की परंपरा के अनुसार स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले अतिथियों का सम्मान भी किया गया। 25 लाख से अधिक आगंतुकों को जूट-कपड़े के बैग में 'जल प्रसाद' भी दिया गया। इसमें संगम का जल, जल जीवन मिशन की डायरी, सफलता/बदलाव की कहानी से जुड़ी आदि अध्ययन सामग्री भी रही। वहीं यहां के जल मंदिर ने संदेश दिया कि जल प्रसाद है, जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद नहीं, बल्कि संरक्षण करें। 'जल मंदिर' में सुबह-शाम गंगा जल आरती भी हुई।

- **'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता, योगी सरकार ने 10229 युवाओं को किया सम्मानित**

नल से जल पर क्विज प्रतियोगिता भी हुई। इसमें हजारों युवाओं ने भाग लिया। सही उत्तर देने वाले 10,229 युवाओं को ऑनलाइन प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इसके साथ ही प्रमुख स्नानों को छोड़कर अन्य दिनों में 3.60 लाख से अधिक लोगों ने डिजिटली 'जल जीवन मिशन द वाटर रन' गेम्स भी खेला।

खुशी समय
आपकी आवाज आपके साथ

महाकुम्भ में नमामि गंगे विभाग के स्वागत से अभिभूत हुए आगंतुक

- **योगी सरकार ने बसाया था स्वच्छ सुजल गांव, गांव में आए 30 लाख लोगों ने देखी 'बदले यूपी की विकास गाथा'**
- **'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता, 10229 युवाओं को किया गया सम्मानित**
- **14 से 26 फरवरी तक 3.60 लाख से अधिक लोगों ने डिजिटली खेला 'जल जीवन मिशन द वाटर रन' गेम्स**
- **योगी सरकार ने अतिथि देवो भवः की परंपरा का भी किया निर्वहन, 25 लाख अतिथियों को उपहार स्वरूप दिया गया 'जल प्रसाद'**
- **2017 के बाद से बुंदेलखंड में आए बदलावों की भी दिखी गाथा**

लखनऊ - योगी सरकार के नेतृत्व में लगे महाकुम्भ में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के 'स्वच्छ सुजल गांव' में पहुंचे आगंतुक स्वागत से अभिभूत हुए। गांव में आए 30 लाख लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'बदले यूपी की विकास गाथा' भी देखी। इस दौरान 'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता में 10229 युवाओं को सम्मानित भी किया गया। 3.60 लाख से अधिक लोगों ने डिजिटली 'जल जीवन मिशन द वाटर रन' गेम्स भी खेला। योगी सरकार ने अतिथि देवो भवः की परंपरा का निर्वहन करते हुए 25 लाख अतिथियों को उपहार स्वरूप 'जल प्रसाद' भी दिया।

30 लाख से अधिक आगंतुक आए 'स्वच्छ सुजल गांव' : योगी सरकार के नेतृत्व में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया था। इसमें देश-दुनिया के 30 लाख से अधिक आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने योगी सरकार के नेतृत्व में 2017 के बाद आए बदलाव के बाद यूपी के समृद्ध गांवों की कहानी भी देखी। गांव में प्रतिदिन शाम को गंगा जल आरती में शामिल होकर लोगों ने यूपी की आध्यात्मिक वैभव का भी दीदार किया।

40 हजार स्क्वायर फिट में बसा था गांव : पीएम मोदी के मार्गदर्शन व सीएम योगी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के जरिए बुंदेलखंड के गांव-गांव में 'हर घर जल' पहुंचाने की नई तस्वीर से भी आगंतुक रूबरू हुए। उन्होंने यहां 2017 से पहले बदहाल और इसके बाद बदले बुंदेलखंड के बदलाव की गाथा का भी दीदार किया। देश-दुनिया से आए श्रद्धालुओं ने 40 हजार स्क्वायर फिट में बसे गांव में पीएम आवास, सीएम आवास, ग्राम पंचायत, सोलर एनर्जी के जरिये समृद्ध उत्तर प्रदेश की नई कहानी भी देखी। इस गाथा ने 'बदले यूपी' की पहचान से हर आगंतुक को अवगत भी कराया।

'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर बसा था गांव : योगी सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग ने महाकुम्भ-2025 में 40 हजार स्क्वायर फिट में 'स्वच्छ सुजल गांव' बसाया था। इसकी थीम 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थी। पीएम मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बुंदेलखंड में पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। गांव में बुंदेलखंड की ग्रामीण महिलाओं ने सांस्कृतिक मंच के जरिए जीवन और जीवनशैली में बदलाव की कहानी भी बयां की। बांदा, झांसी, चित्रकूट के कई गांवों में पानी न होने से शादी नहीं हो पाती थी, वहीं ललितपुर व महोबा के कुछ गांवों की महिलाओं के सिर के बाल भी पानी ढोने के कारण गायब हो गए थे। इन्होंने भी शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी आगंतुकों के समक्ष रखीं।

'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का भी निर्वहन कर रहा है विभाग : 'अतिथि देवो भवः' भारत की परंपरा के अनुसार स्वच्छ सुजल गांव में आने वाले अतिथियों का सम्मान भी किया गया। 25 लाख से अधिक आगंतुकों को जूट-कपड़े के बैग में 'जल प्रसाद' भी दिया गया। इसमें संगम का जल, जल जीवन मिशन की डायरी, सफलता/बदलाव की कहानी से जुड़ी आदि अध्ययन सामग्री भी रही। वहीं यहां के जल मंदिर ने संदेश दिया कि जल प्रसाद है, जल जीवनदायी है। इसे बर्बाद नहीं, बल्कि संरक्षण करें। 'जल मंदिर' में सुबह-शाम गंगा जल आरती भी हुई।

'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता, योगी सरकार ने 10229 युवाओं को किया सम्मानित : नल से जल पर क्विज प्रतियोगिता भी हुई। इसमें हजारों युवाओं ने भाग लिया। सही उत्तर देने वाले 10,229 युवाओं को ऑनलाइन प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इसके साथ ही प्रमुख स्नानों को छोड़कर अन्य दिनों में 3.60 लाख से अधिक लोगों ने डिजिटली 'जल जीवन मिशन द वाटर रन' गेम्स भी खेला।

THE TIMES OF INDIA

Swachh Sujal Gaon at Kumbh: Showcasing UP's tranformative journey

Mar 1, 2025, 22:48 IST

Prayagraj: Visitors to the 'Swachh Sujal Gaon,' set up by the Namami Gange and Rural Water Supply department at Maha Kumbh 2025, were deeply moved by the warm welcome they received during the mega religious event. Over 30 lakh visitors explored the development story of a transformed Uttar Pradesh under the leadership of chief minister Yogi Adityanath.

During the event, 10,229 youth were honoured in a quiz competition on Nal Se Jal, while more than 3.60 lakh participants engaged digitally in 'Jal Jeevan Mission: The Water Run' games. Upholding the tradition of 'Atithi Devo Bhava', the Yogi govt also presented 'Jal Prasad' as a token of hospitality to 25 lakh guests.

The Swachh Sujal Gaon showcased Uttar Pradesh's journey towards rural prosperity, highlighting the positive changes brought about since 2017. Visitors also immersed themselves in the spiritual essence of the state by participating in the 'Ganga Jal Aarti' held every evening in the village.

The participants at Swachh Sujal Village also witnessed the transformative journey of Bundelkhand, where the Jal Jeevan Mission, under the guidance of Prime Minister Narendra Modi and leadership of CM Yogi Adityanath, has ensured 'Har Ghar Jal' in every village. They saw firsthand how Bundelkhand, once plagued by water scarcity before 2017, underwent a remarkable turnaround.

Pilgrims from across the country and the world also explored the new narrative of a prosperous UP, showcased through initiatives like PM Awas Yojana, Mukhyamantri Awas Yojana, Gram Panchayat development, and solar energy integration within a 40,000-square-foot model village.

As part of Maha Kumbh, the Rural Water Supply and Namami Gange department established Swachh Sujal Gaon, designed around the theme 'Peyjal ka Samadhan, Mere Gaon ki Nayi Pehchan'.

Rural women from Bundelkhand shared their powerful testimonies on a cultural platform, recounting how water scarcity once hindered marriages in Banda, Jhansi, and Chitrakoot, while in parts of Lalitpur and Mahoba. Their stories highlighted the profound impact of access to clean water on daily life and well-being.

The Jal Mandir at the village reinforced the message: 'Jal Prasad Hai, Jal Jeevandayi Hai—Conserve It, Don't Waste It.' Morning and evening Ganga Jal Aarti further enriched the spiritual atmosphere.

Prayagraj: Visitors to the 'Swachh Sujal Gaon,' set up by the Namami Gange and Rural Water Supply department at Maha Kumbh 2025, were deeply moved by the warm welcome they received during the mega religious event. Over 30 lakh visitors explored the development story of a transformed Uttar Pradesh under the leadership of chief minister Yogi Adityanath.

During the event, 10,229 youth were honoured in a quiz competition on Nal Se Jal, while more than 3.60 lakh participants engaged digitally in 'Jal Jeevan Mission: The Water Run' games. Upholding the tradition of 'Atithi Devo Bhava', the Yogi govt also presented 'Jal Prasad' as a token of hospitality to 25 lakh guests.

The Swachh Sujal Gaon showcased Uttar Pradesh's journey towards rural prosperity, highlighting the positive changes brought about since 2017. Visitors also immersed themselves in the spiritual essence of the state by participating in the 'Ganga Jal Aarti' held every evening in the village.

The participants at Swachh Sujal Village also witnessed the transformative journey of Bundelkhand, where the Jal Jeevan Mission, under the guidance of Prime Minister Narendra Modi and leadership of CM Yogi Adityanath, has ensured 'Har Ghar Jal' in every village. They saw firsthand how Bundelkhand, once plagued by water scarcity before 2017, underwent a remarkable turnaround.

Pilgrims from across the country and the world also explored the new narrative of a prosperous UP, showcased through initiatives like PM Awas Yojana, Mukhyamantri Awas Yojana, Gram Panchayat development, and solar energy integration within a 40,000-square-foot model village.

As part of Maha Kumbh, the Rural Water Supply and Namami Gange department established Swachh Sujal Gaon, designed around the theme 'Peyjal ka Samadhan, Mere Gaon ki Nayi Pehchan'.

Rural women from Bundelkhand shared their powerful testimonies on a cultural platform, recounting how water scarcity once hindered marriages in Banda, Jhansi, and Chitrakoot, while in parts of Lalitpur and Mahoba. Their stories highlighted the profound impact of access to clean water on daily life and well-being.

The Jal Mandir at the village reinforced the message: 'Jal Prasad Hai, Jal Jeevandayi Hai—Conserve It, Don't Waste It.' Morning and evening Ganga Jal Aarti further enriched the spiritual atmosphere.

अमर उजाला

UP: गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई, तो इंजीनियर-एजेंसियों पर होगी कठोर दंडात्मक कार्रवाई, अपर मुख्य सचिव बोले

अमर उजाला नेटवर्क, लखनऊ Published by: विजय पुंडीर Updated Wed, 19 Mar 2025 08:20 PM IST

सार

अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजीनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए।

अनुराग श्रीवास्तव - फोटो : अमर उजाला

गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की।

इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजिनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजीनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजीनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो।

जलापूर्ति रूकी, तो रूक जाएगी इंजीनियरों और एजेंसियों की प्रगति

नमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजिनियरों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रूकती है, तो इंजीनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रूक जाएगी। साथ ही चीफ इंजीनियरों पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने सभी इंजीनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वॉटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। साथ ही अधिकारियों से गांवों का दौरा कर जलापूर्ति की हकीकत जानने के भी निर्देश दिए।

धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोंके अधिशासी निदेशक

अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर, उसे शासन को भेजने को कहा।

हिन्दुस्तान

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई तो नपेंगे इंजीनियर-एजेंसी

Lucknow News - एसीएस अनुराग श्रीवास्तव ने गर्मियों में ग्रामीण जलापूर्ति की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने इंजीनियरों को चेतावनी दी कि पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। यदि जलापूर्ति प्रभावित हुई, तो...

Newswrap ▪ हिन्दुस्तान, लखनऊ

Wed, 19 March 2025 08:58 PM

हिन्दुस्तान

गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने फील्ड में तैनात इंजीनियरों और एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है तो दोषी इंजीनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। इसी के चलते विभाग से जुड़े सभी इंजीनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग के निर्देश दिए गए हैं।

जलापूर्ति रुकी तो रुकेगी इंजीनियरों और एजेंसियों की प्रगति

नमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजीनियरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रुकती है तो इंजीनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रुक जाएगी। साथ ही चीफ इंजीनियरों पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी।

इस दौरान उन्होंने सभी इंजीनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वॉटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। अधिकारियों से गांवों का दौरा कर जलापूर्ति की हकीकत जानने के भी निर्देश दिए। उन्होंने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर, उसे शासन को भेजने को कहा।

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई, तो होगी कठोर दंडात्मक कार्रवाई: अपर मुख्य सचिव

By **National News Vision** - March 19, 2025

लखनऊ। गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है।

बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की।

दो टूक- जलापूर्ति रूकी, तो रूक जाएगी इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति

इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजिनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए।

अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजिनियरों औ्र एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गर्मियों में गांवों में जलापूर्ति की तैयारियों को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ की बैठक

गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजिनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो।

नमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजिनियरों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रूकती है, तो इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रूक जाएगी।

अधिशासी निदेशक को धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोकने के निर्देश

साथ ही चीफ इंजिनियरों पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने सभी इंजिनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वॉटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। साथ ही अधिकारियों से गांवों का दौरा कर जलापूर्ति की हकीकत जानने के भी निर्देश दिए।

अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर, उसे शासन को भेजने को कहा।

NBT
नवभारत टाइम्स
By THE TIMES OF INDIA

गांवों में जलापूर्ति बाधित हुई तो इंजीनियर-एजेंसी की खैर नहीं... अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव दिए निर्देश

UP Water Supply In Villages News: गर्मियों में ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। मुख्य सचिव ने प्रभावित होने पर दोषी इंजीनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। साथ ही अधिकारियों के साथ मिलकर समीक्षा की।

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की।

इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजीनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजिनियरों और एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित

गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजीनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो।

इंजीनियरों और एजेंसियों पर होगी कार्रवाई

नमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजीनियरों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रूकती है, तो इंजीनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रूक जाएगी। साथ ही चीफ इंजीनियरों पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी।

इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने सभी इंजीनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वॉटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। साथ ही अधिकारियों से गांवों का दौरा कर जलापूर्ति की हकीकत जानने के भी निर्देश दिए।

अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गांवों में जलापूर्ति बाधित होने पर इंजिनियरों- एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी

UP News: बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की।;

UP News: गर्मियों के दौरान प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति बाधित न हो। इसके लिए राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन ने तैयारी तेज कर दी है। बुधवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के मुख्यालय में गर्मी में बेहतर जलापूर्ति के लिए किए जा रहे विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने फील्ड में तैनात इंजिनियरों और काम कर रही एजेंसियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी हाल में गर्मियों के दौरान पाइप्ड जलापूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। अगर कहीं से जलापूर्ति प्रभावित होने या टैंकर से पानी सप्लाई की शिकायत मिलती है, तो दोषी इंजिनियरों औ्र एजेंसियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में गर्मियों के दौरान पानी की दिक्कत होती है। यही वजह है कि नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग से जुड़े सभी इंजिनियरों और एजेंसियों को पहले से ही इस समस्या से निपटने की प्लानिंग करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे भीषण गर्मी में ग्रामीण जलापूर्ति बाधित न हो।

जलापूर्ति रूकी, तो रूक जाएगी इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति

नमामि गंगे विभाग के एडीएम और इंजिनियरों के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कहीं भी जलापूर्ति रूकती है, तो इंजिनियरों और एजेंसियों की प्रगति भी रूक जाएगी। साथ ही चीफ इंजिनियरों पर भी दंडात्मक कार्रवाई होगी। इस दौरान अपर मुख्य सचिव ने सभी इंजिनियरों और एजेंसियों से गर्मियों के दौरान वॉटर सप्लाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा। साथ ही अधिकारियों से गांवों का दौरा कर जलापूर्ति की हकीकत जानने के भी निर्देश दिए।

धीमी रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का पेमेंट रोंके अधिशासी निदेशक

अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बैठक में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक को सुस्त रफ्तार से काम कर रही एजेंसियों का भुगतान रोकने के निर्देश दिए। साथ ही निरंतर मॉनिटरिंग में कोताही बरतने वाले अधिशासी अभियंताओं की सूची तैयार कर, उसे शासन को भेजने को कहा।

THE TIMES OF INDIA

Ensure uninterrupted water supply during summers or face music: ACS

The State Water and Sanitation Mission (SWSM) in Lucknow is stepping up efforts to ensure consistent water supply in rural areas during summer. Additional Chief Secretary Anurag Srivastava warned that any interruptions would result in disciplinary actions. Engineers and agencies must proactively plan to avoid water shortages and closely monitor supply operations.

LUCKNOW: The State Water and Sanitation Mission (SWSM) has intensified preparations to ensure uninterrupted water supply in rural areas during the summer months.

Anurag Srivastava, Additional Chief Secretary of the Namami Gange and Rural Water Supply Department, held a virtual departmental review meet on Wednesday during which he made it clear to engineers and agencies working on the field, that piped water supply should not be disrupted during summers under any circumstances.

The review meet at the SWSM headquarters in Lucknow was meant to ensure better water supply during summers.

During the review, Srivastava said accountability would be fixed and disciplinary action initiated against engineers and agencies if complaints of disrupted water supply or water being supplied through tankers were received.

The Bundelkhand and Vindhya regions face water scarcity during summer. To address this problem, the Namami Gange and Rural Water Supply Department has instructed all engineers and agencies to plan well in advance about ensuring uninterrupted rural water supply during the scorching summer months.

During the virtual meet, Srivastava made it clear to Additional District Magistrates (ADMs) and engineers of the Namami Gange department, that in case of reports of disrupted water supply, accountability would be fixed and engineers and agencies who are held responsible for the lapse and would have to face the music.

He also said that disciplinary action could also be initiated against erring Chief Engineers and demanded a comprehensive report from all (engineers and agencies) on water supply during the summer months.

He instructed officials to visit villages and assess the ground reality of water supply.

Stop payment of agencies working at slow pace: ACS

Srivastava directed the Executive Director of the State Drinking Water and Sanitation Mission to withhold payment to agencies whose pace of working left much to be desired. He also asked the ED to prepare list of such executive engineers who were not monitoring work regularly and said that the same list be sent to the government.

कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी- प्रमुख सचिव

As a result of the hard work of the employees, the Swachh Sujal Village exhibition became a topic of discussion in the entire Maha Kumbh- Principal Secretary

By PREM KUMAR | **Sat, 29 Mar 2025**

कार्यक्रम के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। कार्यक्रम में सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में कई ऐसे प्रतीक थे, जो महाकुंभ क्षेत्र की पहचान बन गए थे। इसमें मटके वाला चौराहा प्रमुख था। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शनी कुंभ की परिकल्पना को परिलक्षित करने वाली थी। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे।

जल समाधान पोर्टल सुलझाएगा ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति से जुड़ी समस्या

इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल समाधान पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए लोग नल कनेक्शन अप्लाई कर सकेंगे। साथ ही जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत भी कर सकेंगे। इसके अलावा लोग अपने जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों को पूरी प्रक्रिया को ट्रैक भी कर सकेंगे। जल समाधान पोर्टल पर Jalsamadhan.in के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। साथ ही टोल फ्री नंबर 180012121614 का भी शुभारंभ किया गया। जल समाधान ऐप भी अनोरॉयड पर भी उपलब्ध है। इस मौके पर कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया गया। यह कॉफी टेबल बुक जल जीवन मिशन के जरिए प्रदेश भर में हुए काम के बारे में बताया गया है।

112 कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

स्वच्छ सुजल गांव में बेहतरीन काम के लिए जिन 112 अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्हें अंगवस्त्र प्रदानकर सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए सर्टिफिकेट भी दिया गया। स्वच्छ सुजल गांव की पूरी टीम को लीड करने वाले राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के वरिष्ठ सलाहकार राधा कृष्ण त्रिपाठी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

प्रीमियम अमर उजाला

UP: स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के 112 कर्मचारियों को जलशक्ति मंत्री ने किया सम्मानित, जल समाधान पोर्टल लॉन्च

अमर उजाला नेटवर्क, लखनऊ Published by: श्याम जी. Updated Fri, 28 Mar 2025 05:57 PM IST

स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। जलशक्ति मंत्री ने विभागीय कर्मचारियों द्वारा महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की मदद के लिए जो काम किए गए।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने किया सम्मानित - फोटो : अमर उजाला

महाकुंभ 2025 के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े 112 कर्मचारियों और अधिकारियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आठ साल का कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से नापा जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए। किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है।

प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया

स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। जलशक्ति मंत्री ने विभागीय कर्मचारियों द्वारा महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की मदद के लिए जो काम किए गए। उसकी तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मानवता के इस सबसे बड़े आयोजन में विभागीय कर्मचारियों का काम सराहनीय है।

प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही

कार्यक्रम के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। कार्यक्रम में सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में कई ऐसे प्रतीक थे, जो महाकुंभ क्षेत्र की पहचान बन गए थे। इसमें मटके वाला चौराहा प्रमुख था। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शनी कुंभ की परिकल्पना को परिलक्षित करने वाली थी। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे।

जल समाधान पोर्टल सुलझाएगा ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति से जुड़ी समस्या

इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल समाधान पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए लोग नल कनेक्शन अप्लाई कर सकेंगे। साथ ही जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत भी कर सकेंगे। इसके अलावा लोग अपने जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों को पूरी प्रक्रिया को ट्रैक भी कर सकेंगे। जल समाधान पोर्टल पर Jalsamadhan.in के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। साथ ही टोल फ्री नंबर 180012121614 का भी शुभारंभ किया गया। जल समाधान ऐप भी अनोरॉयड पर भी उपलब्ध है। इस मौके पर कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया गया। यह कॉफी टेबल बुक जल जीवन मिशन के जरिए प्रदेश भर में हुए काम के बारे में बताया गया है।

112 कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

स्वच्छ सुजल गांव में बेहतरीन काम के लिए जिन 112 अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्हें अंगवस्त्र प्रदानकर सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए सर्टिफिकेट भी दिया गया। स्वच्छ सुजल गांव की पूरी टीम को लीड करने वाले राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के वरिष्ठ सलाहकार राधा कृष्ण त्रिपाठी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

जागरण

जलशक्ति मंत्री ने महाकुंभ में सराहनीय काम करने वाले जल जीवन मिशन के 112 कर्मचारियों-अधिकारियों को किया सम्मानित

स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। जलशक्ति मंत्री ने विभागीय कर्मचारियों द्वारा महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की मदद के लिए जो काम किए गए। उसकी तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मानवता के इस सबसे बड़े आयोजन में विभागीय कर्मचारियों का काम सराहनीय है।

BY **JAGRAN NEWS**
EDITED BY: **GAURAV TIWARI**
UPDATED: FRI, 28 MAR 2025 05:52 PM (IST)

स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में विभाग की योजनाओं को बेहतरीन ढंग से प्रदर्शित किया गया

डिजिटल टीम, लखनऊ। महाकुंभ-2025 के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े 112 कर्मचारियों और अधिकारियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 8 साल का कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से नापा जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए। किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है।

स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। जलशक्ति मंत्री ने विभागीय कर्मचारियों द्वारा महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की मदद के लिए जो काम किए गए। उसकी तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मानवता के इस सबसे बड़े आयोजन में विभागीय कर्मचारियों का काम सराहनीय है। कार्यक्रम के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। कार्यक्रम में सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में कई ऐसे प्रतीक थे, जो महाकुंभ क्षेत्र की पहचान बन गए थे। इसमें मटके वाला चौराहा प्रमुख था। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शनी कुंभ की परिकल्पना को परिलक्षित करने वाली थी। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे।

जल समाधान पोर्टल सुलझाएगा ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति से जुड़ी समस्या

इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल समाधान पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए लोग नल कनेक्शन अप्लाई कर सकेंगे। साथ ही जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत भी कर सकेंगे। इसके अलावा लोग अपने जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों को पूरी प्रक्रिया को ट्रैक भी कर सकेंगे। जल समाधान पोर्टल पर Jalsamadhan.in के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। साथ ही टोल फ्री नंबर 180012121614 का भी शुभारंभ किया गया। जल समाधान ऐप भी अनोरॉयड पर भी उपलब्ध है। इस मौके पर कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया गया। यह कॉफी टेबल बुक जल जीवन मिशन के जरिए प्रदेश भर में हुए काम के बारे में बताया गया है।

112 कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

स्वच्छ सुजल गांव में बेहतरीन काम के लिए जिन 112 अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्हें अंगवस्त्र प्रदानकर सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए सर्टिफिकेट भी दिया गया। स्वच्छ सुजल गांव की पूरी टीम को लीड करने वाले राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के वरिष्ठ सलाहकार राधा कृष्ण त्रिपाठी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

हिन्दुस्तान

महाकुंभ यूपी में कानून के राज का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण: स्वतंत्रदेव

Lucknow News - जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने महाकुंभ-2025 में स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में योगदान देने वाले 112 कर्मियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में 66 करोड़ लोग शामिल हुए और यह यूपी में...

Newswrap ▪ हिन्दुस्तान, लखनऊ

Fri, 28 March 2025 07:55 PM

महाकुंभ-2025 के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी खासी चर्चा में रही। इसके आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े 112 कर्मियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को सम्मानित किया। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 8 साल के कार्यकाल को महाकुंभ से नापा जा सकता है कि बिना किसी परेशानी के 66 करोड़ लोग इस आयोजन का हिस्सा बने।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ यूपी में कानून के राज का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में कई ऐसे प्रतीक थे, जो महाकुंभ क्षेत्र की पहचान बन गए थे। इस मौके पर अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव सहित अन्य मौजूद रहे। स्वच्छ सुजल गांव की 112 लोगों की टीम और इसे लीड करने वाले राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के वरिष्ठ सलाहकार राधा कृष्ण त्रिपाठी को सम्मानित किया गया।

जल समाधान पोर्टल सुलझाएगा ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति से जुड़ी समस्या

इस मौके पर जलशक्ति मंत्री ने जल समाधान पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए लोग नल कनेक्शन का आवेदन कर सकेंगे। साथ ही जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत भी कर सकेंगे। लोग अपने जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों की पूरी प्रक्रिया को ट्रैक भी कर सकेंगे। जल समाधान पोर्टल पर Jalsamadhan.in के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। साथ ही टोल फ्री नंबर 180012121614 का भी शुभारंभ किया गया।

हिन्दुस्थान समाचार
Hindusthan Samachar

जलशक्ति मंत्री ने जल जीवन मिशन के 112 अधिकारी एवं कर्मचारियों को किया सम्मानित

28 Mar 2025 17:30:31

लखनऊ, 28 मार्च (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने महाकुंभ 2025 के दौरान जल जीवन मिशन की ओर से लगाई गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े 112 कर्मचारियों और अधिकारियों को सम्मानित किया।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने इस अवसर पर कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 8 साल के कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से जाना जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए और किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है।

मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया। विभागीय कर्मचारियों ने महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की मदद के लिए जो काम किए, वे इस सबसे बड़े आयोजन को देखते हुए सराहनीय है।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही।

कार्यक्रम में सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में कई ऐसे प्रतीक थे जो महाकुंभ क्षेत्र की पहचान बन गए थे। इसमें मटके वाला चौराहा प्रमुख था। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शनी कुंभ की परिकल्पना को परिलक्षित करने वाली थी। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे।

इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल समाधान पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए लोग नल कनेक्शन अप्लाई कर सकेंगे। साथ ही जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत भी कर सकेंगे। इसके अलावा लोग अपने जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों को पूरी प्रक्रिया को ट्रैक भी कर सकेंगे। जल समाधान पोर्टल पर Jalsamadhan.in के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। साथ ही टोल फ्री नंबर 180012121614 का भी शुभारंभ किया गया। जल समाधान ऐप भी अनोरॉयड पर भी उपलब्ध है। इस मौके पर कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया गया। यह कॉफी टेबल बुक जल जीवन मिशन के जरिए प्रदेश भर में हुए काम के बारे में बताया गया है।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम स्वच्छ सुजल गांव में बेहतरीन काम के लिए 112 अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्हें अंगवस्त्र प्रदानकर सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए सर्टिफिकेट भी दिया गया। स्वच्छ सुजल गांव की पूरी टीम को लीड करने वाले राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के वरिष्ठ सलाहकार राधा कृष्ण त्रिपाठी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

Maha Kumbh a testament to Yogi Adityanath’s eight-year tenure: Swatantra Dev Singh

"The success of Chief Minister Yogi Adityanath’s eight-year tenure can be determined by the success of the biggest global gathering of humans at one place," Singh stated. He highlighted the event's scale, noting, "As many as 66 crore people from across the globe visited the Maha Kumbh"

Indiatimes Online — Updated: Apr 01, 2025, 16:20 IST — 3 min read

Uttar Pradesh's Jal Shakti Minister, Swatantra Dev Singh

Uttar Pradesh's Jal Shakti Minister, Swatantra Dev Singh, asserted on Friday that the recently concluded Maha Kumbh 2025 at Prayagraj served as a global success and a testament to Chief Minister Yogi Adityanath's eight-year tenure.

"The Maha Kumbh was a big success globally. In fact, the success of chief minister Yogi Adityanath’s eight-year tenure can be determined by the success of the biggest global gathering of humans at one place," Singh stated during a felicitation ceremony for department employees.

He highlighted the event's scale, noting, "As many as 66 crore people from across the globe visited the Maha Kumbh and everyone was awed by the seamless management and services extended to them. The fact that not one case of crime was reported at the event speaks volumes about the rule of law in the state under chief minister Yogi Adityanath’s leadership."

The minister and Additional Chief Secretary Anurag Srivastava recognized 112 employees from the Namami Gange and Rural Water Supply Department for their contributions to the "Swachh Sujal Gaon" exhibition, which showcased the impact of the Jal Jeevan Mission in rural Uttar Pradesh.

Singh praised the exhibition, stating, "The various initiatives of the department were brilliantly showcased." He also commended the employees for their assistance to devotees, describing their efforts as "praiseworthy."

Regarding the Jal Jeevan Mission, Singh said, "In rural areas, water supply is being provided to every household through the Nal se Jal Yojana," highlighting the transformation in regions like Bundelkhand and Vindhya.

Additional Chief Secretary Anurag Srivastava attributed the exhibition's success to the employees' hard work, saying, "The exhibition drew attention and applause from one and all at the Maha Kumbh."

Information Commissioner P.N. Dwivedi noted, "The exhibition featured symbols that became synonymous with the Mahakumbh area, including the iconic 'Matke Wala Chauraha.' He said the exhibition reflected the essence of the Kumbh, showcasing the transformation of rural UP through the Jal Jeevan Mission.”

Jal Samadhan Portal Launched

Separately, Minister Swatantra Dev Singh launched the Jal Samadhan Portal, designed to streamline water connection applications and complaint registration.

"Through the portal people will be able to apply for water connections easily. He said people would also be able to register complaints related to water supply. Additionally, people will also be able to track the entire process of their water supply-related complaints," Singh said.

The portal is accessible at Jalsamadhan.in, and a toll-free number, 180012121614, along with an Android app, has been launched. A coffee table book highlighting the Jal Jeevan Mission's work was also released.

जंग-ए आवाज़

जलशक्ति मंत्री ने महाकुंभ में सराहनीय काम करने वाले जल जीवन मिशन के 112* कर्मचारियों-अधिकारियों को किया सम्मानित

By Admin
Published - 28 March 2025

लखनऊ। महाकुंभ-2025 के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े 112 कर्मचारियों और अधिकारियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 8 साल का कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से नापा जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए। किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है। स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। जलशक्ति मंत्री ने विभागीय कर्मचारियों द्वारा महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की मदद के लिए जो काम किए गए। उसकी तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मानवता के इस सबसे बड़े आयोजन में विभागीय कर्मचारियों का काम सराहनीय है। कार्यक्रम के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। कार्यक्रम में सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में कई ऐसे प्रतीक थे, जो महाकुंभ क्षेत्र की पहचान बन गए थे। इसमें मटके वाला चौराहा प्रमुख था। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शनी कुंभ की परिकल्पना को परिलक्षित करने वाली थी। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे।

जल समाधान पोर्टल सुलझाएगा ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति से जुड़ी समस्या

इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल समाधान पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए लोग नल कनेक्शन अप्लाई कर सकेंगे। साथ ही जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत भी कर सकेंगे। इसके अलावा लोग अपने जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों को पूरी प्रक्रिया को ट्रैक भी कर सकेंगे। जल समाधान पोर्टल पर Jalsamadhan.in के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। साथ ही टोल फ्री नंबर 180012121614 का भी शुभारंभ किया गया। जल समाधान ऐप भी अनोरॉयड पर भी उपलब्ध है। इस मौके पर कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया गया। यह कॉफी टेबल बुक जल जीवन मिशन के जरिए प्रदेश भर में हुए काम के बारे में बताया गया है।

112 कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

स्वच्छ सुजल गांव में बेहतरीन काम के लिए जिन 112 अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्हें अंगवस्त्र प्रदानकर सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए सर्टिफिकेट भी दिया गया। स्वच्छ सुजल गांव की पूरी टीम को लीड करने वाले राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के वरिष्ठ सलाहकार राधा कृष्ण त्रिपाठी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

Swatantra Dev Singh @swatantrabjp · Mar 28

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित ‘स्वच्छ सुजल महाकुंभ सेवा सम्मान 2025’ कार्यक्रम में प्रयागराज महाकुंभ में कार्यरत विभाग के कर्मचारियों को उनके कुशल कार्य हेतु सम्मानित किया।

साथ में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश के जल समाधान पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के माध्यम से उत्तर प्रदेश के नागरिक जल जीवन मिशन से जुड़ी सारी जानकारी एक ही पोर्टल पर प्राप्त कर सकेंगे और अपने सुझाव साझा कर सकेंगे।

5 18 137 1.3K

NBT
नवभारत टाइम्स
By THE TIMES OF INDIA

महाकुंभ में सराहनीय काम के लिए जल जीवन मिशन के 112 कर्मचारी-अधिकारी सम्मानित, स्वतंत्र देव सिंह ने दिए सर्टिफिकेट

Edited By विवेक मिश्रा | नवभारतटाइम्स.कॉम • 28 Mar 2025, 5:33 pm

सर्टिफिकेट देते स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ: महाकुंभ-2025 के दौरान जल जीवन मिशन द्वारा लगाए गई स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाले विभागीय और एजेंसियों से जुड़े 112 कर्मचारियों और अधिकारियों को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि महाकुंभ की चर्चा पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 8 साल का कार्यकाल को महाकुंभ के आयोजन से नापा जा सकता है कि 66 करोड़ लोग इस आयोजन में आए। किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई। इससे पता चलता है कि यूपी में कानून का राज है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में हर घर तक नल योजना के जरिए जलापूर्ति की जा रही है। गरीबों को पक्का मकान मिल रहा है। रोड कनेक्टिविटी में शानदार काम हुआ है।

स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी की तारीफ करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में विभागीय योजनाओं को बहुत की खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। जलशक्ति मंत्री ने विभागीय कर्मचारियों द्वारा महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की मदद के लिए जो काम किए गए, उसकी तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मानवता के इस सबसे बड़े आयोजन में विभागीय कर्मचारियों का काम सराहनीय है। कार्यक्रम के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि ये कर्मचारियों की मेहनत का नतीजा है कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी पूरे महाकुंभ में चर्चा का विषय बनी रही। कार्यक्रम में सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी ने कहा कि स्वच्छ सुजल गांव प्रदर्शनी में कई ऐसे प्रतीक थे, जो महाकुंभ क्षेत्र की पहचान बन गए थे। इसमें मटके वाला चौराहा प्रमुख था। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शनी कुंभ की परिकल्पना को परिलक्षित करने वाली थी। इस मौके पर राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज सिंह यादव समेत बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे।

जल समाधान पोर्टल सुलझाएगा ग्रामीण इलाकों में जलापूर्ति से जुड़ी समस्या

इस मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जल समाधान पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए लोग नल कनेक्शन अप्लाई कर सकेंगे। साथ ही जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं की शिकायत भी कर सकेंगे। इसके अलावा लोग अपने जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों को पूरी प्रक्रिया को ट्रैक भी कर सकेंगे। जल समाधान पोर्टल पर Jalsamadhan.in के जरिए लॉगिन कर सकते हैं। साथ ही टोल फ्री नंबर 180012121614 का भी शुभारंभ किया गया। जल समाधान ऐप भी एंड्रायड पर भी उपलब्ध है। इस मौके पर कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया गया। यह कॉफी टेबल बुक जल जीवन मिशन के जरिए प्रदेश भर में हुए काम के बारे में बताया गया है।

112 कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

स्वच्छ सुजल गांव में बेहतरीन काम के लिए जिन 112 अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। उन्हें अंगवस्त्र प्रदानकर सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए सर्टिफिकेट भी दिया गया। स्वच्छ सुजल गांव की पूरी टीम को लीड करने वाले राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के वरिष्ठ सलाहकार राधा कृष्ण त्रिपाठी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

THE TIMES OF INDIA

‘Maha Kumbh 2025 a global success’: UP jal shakti minister Swatantra Dev Singh

‘Maha Kumbh 2025 a global success’: UP jal shakti minister Swatantra Dev Singh

LUCKNOW: Uttar Pradesh’s jal shakti minister Swatantra Dev Singh on Friday hailed the Maha Kumbh 2025 in Prayagraj as a major global success, attributing its seamless management to chief minister Yogi Adityanath’s leadership.

The minister said that the massive gathering, which drew 66 crore visitors from around the world, showcased Uttar Pradesh’s governance and administrative efficiency.

“The Maha Kumbh was a big success globally. In fact, the success of chief minister Yogi Adityanath’s eight-year tenure can be determined by the success of the biggest global gathering of humans at one place”, he said at a function organised by the Namami Gange and rural water supply department.

Singh highlighted the event’s security arrangements, noting that no crime was reported during the festival. "The success of CM Yogi Adityanath’s eight-year tenure can be determined by the success of the biggest global gathering of humans at one place,” he added.

The event felicitated 112 employees and agency workers for their role in organising the ‘Swachh Sujal Gaon’ exhibition, which showcased rural Uttar Pradesh’s transformation under the Jal Jeevan Mission.

Praising the exhibition, the minister said it effectively demonstrated the impact of various water initiatives. He also lauded the efforts of department employees in assisting devotees at the Kumbh, calling their service “praiseworthy.” Highlighting rural water accessibility, Singh noted that under the ‘Nal se Jal’ initiative, drinking water is now reaching every household in even the most challenging regions like Bundelkhand and Vindhya.

He added that alongside improved water supply, rural infrastructure, including roads and housing, has seen significant progress.

Additional chief secretary Anurag Srivastava credited the success of the exhibition to employees' hard work, while information commissioner PN Dwivedi noted that it featured symbolic elements such as the "Matke Wala Chauraha," representing the essence of the Kumbh and rural development.

UP launches Jal Samadhan Portal for water services

At the same event, minister Swatantra Dev Singh launched the Jal Samadhan Portal, which aims to simplify the process of applying for water connections and registering complaints related to water supply.

To mark the occasion, a coffee table book was also released, highlighting the work done under the Jal Jeevan Mission across Uttar Pradesh.